बोर्ड कृतिपत्रिका : जुलै 2024

हिंदी युवकभारती

समय : 3 घंटे **कुल अंक : 80**

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :

1. सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए।
3. सभी आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।
4. व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

विभाग – १. गद्य (अंक-२०)

कृति १ (अ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

एक युग बीत जाने पर भी मेरी स्मृति से एक घटा भरी अश्रुमुखी सावनी पूर्णिमा की रेखाएँ नहीं मिट सकी हैं। उन रेखाओं के उजले रंग न जाने किस व्यथा से गीले हैं कि अब तक सूख भी नहीं पाए, उड़ना तो दूर की बात है।

उस दिन मैं बिना कुछ सोचे हुए ही भाई निराला जी से पूछ बैठी थी, आपके किसी ने राखी नहीं बाँधी?' अवश्य ही उस समय मेरे सामने उनकी बंधनशून्य कलाई और पीले कच्चे सूत की ढेरों राखियाँ लेकर घूमने वाले यजमान खोजियों का चित्र था। पर अपने प्रश्न के उत्तर ने मुझे क्षण भर के लिए चौंका दिया।

'कौन बहिन हम जैसे भुक्खड़ को भाई बनावेगी!' में उत्तर देने वाले के एकाकी जीवन की व्यथा थी या चुनौती, यह कहना कठिन है पर जान पड़ता कि किसी अव्यक्त चुनौती के आभास ने ही मुझे उस हाथ के अभिषेक की प्रेरणा दी, जिसने दिव्य वर्ण-गंध मधुवाले गीत सुमनों से भारती की अर्चना भी की है और बर्तन माँजने, पानी भरने जैसी कठिन श्रम साधना से उत्पन्न खेद बिंदुओं से मिट्टी का श्रृंगार भी किया है।

दिन-रात के पगों से वर्षों की सीमा पार करने वाले अतीत ने आग के अक्षरों में आँसू के रंग भर-भरकर ऐसी अनेक चित्रकथाएँ आँक डाली हैं, जितनी इस महान कवि और असाधारण मानव के जीवन की मार्मिक झाँकी मिल सकती है पर उन सबको सँभाल सके ; ऐसा एक चित्राधार पा लेना सहज नहीं।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

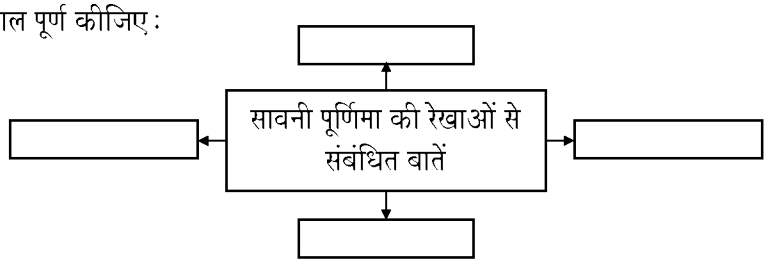

(२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : (२)

(i) चित्रकथा – ____

(ii) स्मृतियाँ – ____

(iii) रेखा – ____

(iv) राखी – ____

(३) 'रक्षाबंधन त्योहार' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए । (२)

(आ) **निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :** (६)

कुछ दिन बाद एक सुंदर नवयुवक साधु आगरे के बाज़ारों में गाता हुआ जा रहा था। लोगों ने समझा, इसकी भी मौत आ गई है। वे उठे कि उसे नगर की रीति की सूचना दे दें, मगर निकट पहुँचने से पहले ही मुग्ध होकर अपने- आपको भूल गए और किसी को साहस न हुआ कि उससे कुछ कहें। दम-के- दम में यह समाचार नगर में जंगल की आग के समान फैल गया कि एक साधु रागी आया है, जो बाज़ारों में गा रहा है। सिपाहियों ने हथकड़ियाँ सँभाली और पकड़ने के लिए साधु की ओर दौड़े परंतु पास आना था कि रंग पलट गया। साधु के मुखमंडल से तेज की किरणें फूट रहीं थीं, जिनमें जादू था, मोहिनी थी और मुग्ध करने की शक्ति थी। सिपाहियों को न अपनी सुध रही, न हथकड़ियों की, न अपने बल की, न अपने कर्तव्य की, न बादशाह की, न बादशाह के हुक्म की। वे आश्चर्य से उसके मुख की ओर देखने लगे, जहाँ सरस्वती का वास था और जहाँ से संगीत की मधुर ध्वनि की धारा बह रही थी। साधु मस्त था, सुनने वाले मस्त थे। ज़मीन-आसमान मस्त थे। गाते-गाते साधु धीरे-धीरे चलता जाता था और श्रोताओं का समूह भी धीरे-धीरे चलता जाता था। ऐसा मालूम होता था, जैसे एक समुद्र है जिसे नवयुवक साधु आवाज़ों की जंजीरों से खींच रहा है और संकेत से अपने अपने साथ-साथ आने की प्रेरणा कर रहा है।

(१) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

साधु के मुखमंडल की विशेषताएँ

(i) ______

(ii) ______

(iii) ______

(iv) ______

(२) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर शब्द फिर से लिखिए : (२)

(१) सुंदर – ______

(२) साहस – ______

(३) रीत – ______

(४) मस्त – ______

(३) 'जीवन में संगीत का महत्त्व' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए । (२)

(इ) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए (कोई दो) :** (६)

(१) 'पाप के चार हथियार' पाठ का संदेश लिखिए।

(२) 'उड़ो बेटी, उड़ो! पर धरती पर निगाह रखकर', इस पंक्ति में निहित सुगंधा की माँ के विचार स्पष्ट कीजिए।

(३) ओज़ोन विघटन संकट से बचने के लिए किए गए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को संक्षेप में लिखिए ।

(ई) **निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो) :** (२)

(१) हिंदी के कुछ आलोचकों द्वारा महादेवी वर्मा को दी गई उपाधि ।

(२) सुदर्शन जी का मूल नाम ।

(३) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी के निबंध संग्रहों के दो नाम लिखिए

(४) 'कोखजाया' कहानी के हिंदी अनुवादक का नाम लिखिए।

विभाग – २. पद्य (अंक-२०)

कृति २ (अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

मन रे अहिनिसि हरि गुण सारि।
जिन खिनु पलु नामु न बिसरे ते जन विरले संसारि।
जोति-जोति मिलाइये, सुरती- सुरती संजोगु ।
हिंसा हउमें गतु गए नाहीं सहसा सोगु ।
गुरु मुख जिसु हार मनि बसे तिसु मेले गुरु संजोग ।।

तेरी गति मिति तू ही जाणै क्या को आखि वखाणे
तू आपे गुपता, आपे प्रगटु, आपे सब रंग भाणे
साधक सिद्‌ध, गुरु वहु चेले खोजत फिरहि फरमाणे
समहि बधु पाइ इह भिक्षा तेरे दर्शन कड कुरवाणे
उसी की प्रभु खेल रचाया, गुरुमुख सोभी होई ।
नानक सब जुग आपे वरते, दूजा और न कोई ।।

(१) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

प्रभु को ढूँढ़नेवाले →
- (i) ____
- (ii) ____
- (iii) ____
- (iv) ____

(२) निम्नलिखित शब्दों के उपसर्ग हटाकर पद्यांश में आए हुए मूल शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(१) सदगुण ________ (२) अहिंसा ________

(३) सद्‌गति ________ (४) सद्‌गुरु ________

(३) "प्रभु का महत्त्व" इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए । (२)

(आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

अपने हृदय का सत्य, अपने-आप हमको खोजना।
अपने नयन का नीर, अपने-आप हमको पोंछना ।
आकाश सुख देगा नहीं
धरती पसीजी है कहीं !
हर एक राही को भटककर ही दिशा मिलती रही।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं।
बेकार है मुस्कान से ढकना, हृदय की खिन्नता।
आदर्श हो सकती नहीं, तन और मन की भिन्नता।
जब तक बँधी है चेतना
जब तक प्रणय दुख से घना
तब तक न मानूँगा कभी, इस राह को ही मैं सही।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं।

(१) कृति पूर्ण कीजिए : (२)
पद्यांश की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए

(i) बेकार है मुस्कान से ढकना →
(ii) अपने हृदय का सत्य →
(iii) आदर्श हो सकती नहीं →
(iv) अपने नयन का नीर →

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में प्रयुक्त समानार्थी शब्द लिखिए : (२)

(i) ढूँढ़ना – ☐
(ii) पानी – ☐
(iii) आँखें – ☐
(iv) गगन – ☐

(३) "संघर्ष करने वाला ही जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है" इस कथन पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(इ) **निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'चुनिंदा शेर' का रसास्वादन कीजिए :** (६)

(i) रचनाकार का नाम (१)
(ii) पसंद की पंक्तियाँ (१)
(iii) पसंद के कारण (२)
(iv) कविता की केंद्रीय कल्पना (२)

अथवा

"पेड़ हौसला है, पेड़ दाता है" इस कथन के आधार पर 'पेड़ होने का अर्थ ' कविता का रसास्वादन कीजिए।

(ई) **निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का केवल एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो) :** (२)

(i) त्रिलोचन जी के दो काव्यसंग्रहों के नाम
(ii) 'नयी कविता' के अन्य कवियों के नाम
(iii) गुरु नानक जी का जन्म स्थान
(iv) डॉ. मुकेश गौतम की भाषा विशेषता -

विभाग – ३. विशेष अध्ययन (अंक-१०)

कृति ३ (अ) **निम्नलिखित काव्य पंक्तियाँ पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :** (६)

शब्द, शब्द, शब्द,........
मेरे लिए सब अर्थहीन हैं
यदि वे मेरे पास बैठकर
तुम्हारे काँपते अधरों से नहीं निकलते
शब्द, शब्द, शब्द, ...
कर्म, स्वधर्म, निर्णय, दायित्व ....
मैंने भी गली-गली सुने हैं ये शब्द
अर्जुन ने इनमें चाहे कुछ भी पाया हो
मैं इन्हें सुनकर कुछ भी नहीं पाती प्रिय,
सिर्फ राह में ठिठककर
तुम्हारे उन अधरों की कल्पना करती हूँ
जिनसे तुमने ये शब्द पहली बार कहे होंगे।

(१) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

कनुप्रिया को गली-गली सुनाई देने वाले शब्द -

(१) ______________

(२) ______________

(३) ______________

(४) ______________

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में प्रयुक्त पर्यायवाची शब्द लिखिए : (२)

(i) नज़दीक – ☐

(ii) प्यारा – ☐

(iii) रास्ता – ☐

(iv) काम – ☐

(३) "कर्म का महत्त्व" इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए । (२)

(आ) किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(१) "कवि ने राधा के माध्यम से आधुनिक मानव की व्यथा को शब्दबद्ध किया है," इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(२) राधा की दृष्टि से जीवन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

विभाग – ४. व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश एवं पारिभाषिक शब्दावली (अंक-२०)

कृति ४ (अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए : (६)

(१) उत्तम मंच संचालक बनने के लिए आवश्यक गुण विस्तार से लिखिए।

अथवा

परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

अध्यापक : हाँ हाँ, क्यों नहीं ?
हिंदी में 'पल्लवन' शब्द अंग्रेज़ी 'Expansion' शब्द के प्रतिशब्द के रूप में आता है। 'पल्लवन' का अर्थ है- विस्तार अथवा फैलाव। यह संक्षेपण का विरुद्धार्थी शब्द है। जब किसी शब्द, सूक्ति, उद्धरण, लोकोक्ति, गद्य, काव्य पंक्ति आदि का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसका दृष्टांतों, उदाहरणों अथवा काल्पनिक उड़ानों द्वारा २००-३०० शब्दों में विस्तार करते हैं तो उसे 'पल्लवन' कहते हैं। अर्थात् विषय का विस्तार करना 'पल्लवन' है ।

रिदिम : तो क्या पल्लवन का मतलब सिर्फ विषय का विस्तार करना है ?

अध्यापक : नहीं-नहीं, सिर्फ विस्तार नहीं ! उसकी और भी कुछ विशेषताएँ और नियम होते हैं।

गौरांश : मैं कुछ समझा नहीं ?

अध्यापक : आइए, मैं समझाता हूँ। हर हर भाषा में कुछ ऐसे लेखक होते हैं जो अपने विचारों को सूक्ष्म और संक्षिप्त रूप में रखते हैं। उन्हें समझ पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। ऐसे समय में पल्लवन के माध्यम से उसे समझाया जा सकता है।

रोशन : तो क्या पल्लवन से तात्पर्य 'निबंध' है ?

अध्यापक : नहीं! कई लोग निबंध और पल्लवन को एक मानने की गलती करते हैं। वास्तव में इन दोनों में अंतर है। निबंध में किसी एक विचार को विस्तार से लिखने के लिए कल्पना, प्रतिभा और मौलिकता का आधार लिया जाता है। पल्लवन में भी विषय का विस्तार होता है परंतु पल्लवन में विषय का विस्तार एक निश्चित सीमा के अंतर्गत किया जाता है।

(१) कृति पूर्ण कोजिए : (२)

(i) पल्लवन के लिए अंग्रेज़ी शब्द – [ ]

(ii) पल्लवन का अर्थ – [ ]

(iii) पल्लवन का विरुद्धार्थी शब्द – [ ]

(iv) विषय का विस्तार करना – [ ]

(२) विलोम शब्द लिखिए : (२)

(i) विस्तार × ____________

(ii) अनिश्चित × ____________

(iii) विचार × ____________

(iv) कठिन × ____________

(३) 'पढ़ना जरूरी है' इस कथन के बारे में अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए । (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(१) ब्लॉग लेखन में बरती जानेवाली सावधानियों पर प्रकाश डालिए।

(२) प्रकाश उत्पन्न करने वाले जीवों की वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि से जानकारी लिखिए ।

अथवा

सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :

(१) फीचर किसी विषय का .... में विस्तृत विवेचन है। (१)

(१) गद्यात्मक शैली (२) मनोरंजक शैली

(३) पद्यात्मक शैली (४) विवेचनात्मक शैली

(२) सूत्र संचालक का .... होना भी आवश्यक होता है। (१)

(१) मिलनसार (२) भावनिक (३) बुद्धिमान (४) गुणवान

(३) भारत में .... के बाद 'ब्लॉग लेखन' आरंभ हुआ। (१)

(१) २००१ (२) २००२

(३) २००३ (४) २००४

(४) सागर में पाए जाने वाले प्रकाश उत्पादक जीवों के लिए .... आवश्यक होता है । (१)

(१) पानी (२) मिट्टी

(३) प्रकाश (४) हवा

(इ) अपठित गद्यांश पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

मन, वाणी और कर्म का सामंजस्य ही मनुष्य को श्रेष्ठता के पद पर पहुँचाता है। फिर भी वचनों का विशेष महत्त्व है, क्योंकि एक कटु वचन सारे किए-धरे पर पानी फेर सकता है। वाणी की मधुरता के साथ नियमपूर्ण व्यवहार की भी आवश्यकता है। विनयपूर्ण व्यवहार ही शिष्टाचार है। शिष्टाचार का अर्थ लोग दिखावा या तकल्लुफ करते हैं। लेकिन वास्तव में उसका अर्थ है - सज्जनोचित व्यवहार। मधुर भाषण के साथ इसका भी मूल्य है। इनके द्वारा मनुष्य की शिक्षा-दीक्षा और कुल की परंपरा और मर्यादा का परिचय मिलता है।

(१) उत्तर लिखिए : (२)

(i) मन, वाणी और कर्म का सामंजस्य –

(ii) शिष्टाचार का वास्तव में अर्थ –

(२) (i) शब्द युग्म पहचान कर लिखिए : (१)

(१) ____________________

(२) ____________________

(ii) विलोम शब्द लिखिए : (१)

(१) कल्पना × ____________________

(२) अमूल्य × ____________________

(३) 'जीवन में सदाचार का महत्त्व' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं चार के पारिभाषिक शब्द लिखिए : (४)

(१)	Census Officer	(२)	Invalid	(३)	Balance	(४)	Payment
(५)	Speed	(६)	Antibiotics	(७)	Output	(८)	Auxiliary Memory

विभाग – ५ व्याकरण (अंक-१०)

कृति ५ (अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए (कोई दो) : (२)

(१) बैजू का लहू सूख गया है। (सामान्य भूतकाल)

(२) मौसी कुछ नहीं बोल रही हैं। (अपूर्ण भूतकाल)

(३) सुधारक आते थे। (सामान्य वर्तमानकाल)

(४) इससे राह खुली है। (सामान्य भविष्यकाल)

(आ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचानकर उनके नाम लिखिए (कोई दो) : (२)

(१) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।

(२) मोती की लड़ियों से सुंदर, झरते हैं झाग भरे निर्झर ।

(३) उस क्रोध के मारे तनु उसका काँपने लगा।
मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा ।।

(४) पत्रा ही तिथि पाइयै, वाँ घर के चहुँ पास।
नितप्रति पून्योई रहै, आनन-ओप उजास ।।

(इ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उनके नाम लिखिए (कोई दो) : (२)

(१) श्रीकृष्ण के वचन सुन, अर्जुन क्रोध से जलने लगे।
सब शोक अपना भूलकर, करतल युगल मलने लगे।।

(२) बिनु-पग चलै, सुनै बिनु काना।
कर बिनु कर्म करै, विधि नाना ।।
आनन रहित सकल रस भोगी ।
बिनु वाणी वक्ता, बड़ जोगी ।।

(३) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं, नैननु ही सौं बात ।।

(४) माला फेरत जुग भया, गया न मन का फेर ।
कर का मनका डारि कैं, मन का मनका फेर ।।

(ई) **निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए (कोई दो):** (२)

(१) कंठ भर आना ।

(२) सितारा चमकना

(३) राह का रोड़ा बनना ।

(४) तलवे चाटना ।

(उ) **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो):** (२)

(१) अतीथि आए हैं, घर मे सामान नहिं है ।

(२) परंतू अग्यान भी अपराध है।

(३) दुनिया में भौतिक विकास हासिल कर लेने का होड़ मचा है।

(४) तपस्या पर एक क्षण में पाणी फिर गई।